order situation in Bihar has improved and consequently, coal production has also picked up since October 80. The allotment and loading of wagons is also showing signs of improvement in the recent days. The coal production and wagon movement are also being monitored at the highest level by a Cabinet Committee on Industrial infrastructure.

सांचोर-बाड़मेर बेसिन में समन्वेषी तथा ड्रिलिंग गतिविधियां

4078. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन :** क्या पेट्रोलियम, रसायन और उवरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पेट्रोलियम विभाग, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग अथवा किसी अन्य एजेन्सी द्वारा सांचोर बाड़मेर, राजस्थान गुजरात क्षेत्र तथा बारवासर क्षेत्र में, जो गैस तथा तेल की संभावना वाले क्षेत्र है, समन्वेषी तथा ड्रिलिंग गतिविधियां कब तक आरंभ की जायेगी ?

पेट्रोलियम, रसायन और उवरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : राजस्थान, गुजरात क्षेत्र के संचारो-बाडमेर बेसिन में जहां तक हाईड्रोकारबन के होने की सम्भावना का प्रश्न है इसे बहुत उच्च नहीं आंका गया है। राजस्थान और गुजरात में जैसा प्रश्न में वर्णित है कोई बखासार क्षेत्र नहीं है। फिर भी झांसी के पास बखसर नामक एक स्थान है जहा हाईड्रोकार्बनों की सम्भावना अधिक नहीं है । राजस्थान में बखासर, नामक स्थान जोकि सांफोड़ के पश्चिम में तथारण आफ कच्छ के उत्तर में है, तथा सांचोर-बाडमेर बेसिन में स्थित है अतः इस प्रकार हाईड्रोकार्बनों के होने की सम्भावना को वहां बहुत अधिक आंका गया

आयल इंडिया द्वारा तेल और गैस के लिए खोज

4079. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन :** क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आयल इंडिया द्वारा देश के किन किन भागों में तेल और गैस के लिए खोज की जा रही है ;

(ख) क्या उपरोक्त एजेन्सी को राजस्थान के कुछ रेगिस्तानी क्षेत्रों में तेल के लिए खोज करने का काम सौंपा गया है और यदि हां, तो उस क्षेत्र का नाम क्या है ; और

(ग) इन कार्यों के संबंध में क्या प्रगति हुई है और क्या इस बारे में पूरी जानकारी सभा पटल पर रखी जायेगी ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) :

(क) ऊपरी असम में 1990 वर्ग किलोमीटर का खदान पट्टा, अरुणाचल प्रदेश में 551 वर्ग किलोमीटर पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेन्स क्षेत्र, तथा 18,800 वर्ग किलो मीटर महानदी बेसिन तटीय एवं उपतटीय क्षेत्र ।

(ख) राजस्थान में किसी क्षेत्र को आवंटित करने के प्रश्न पर अभी तक अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया है ।

(ग) आयल इंडिया लिमिटेड (ओ० आई० एल०) ने 1990 वर्ग किलोमीटर केखादान पट्टे से 48 मिलियन टन खनिज तेल उत्पादित किया है जोकि देश में पैट्रोलियम युग के प्रारम्भ से तटीय साधनों से प्राप्त कुल खनिज तेल का मोटे तौर पर 40 प्रतिशत है । यह उत्पादन 2.83

मीट्रिक टन प्रतिवर्ष की दर से कई वर्ष तक चलते रहने की सम्भावना है ।

अरुणाचल पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के अन्तर्गत खरसांग में तेल प्राप्त हुआ है । यह सन्तुलित उपब्धि है जिसका अर्ध-अन्वेषणात्मक कूपों का 1500 मीटर की दूरी तक विस्तार खुदाई द्वारा विकास किया जा रहा है। महानदी बेसिन सुविधा के अंतर्गत 12,000 वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्र तथा 6,800 वर्ग किलोमीटर तटीय क्षेत्र है । दोनों का वायु चुम्बकीय सर्वेक्षण किया गया है । अपतटीय क्षेत्र में महानदी-1 को 2740 मीटर की गहराई तक खोदा गया है । महानदी-2 को 3700 मीटर से भी नीचे तक खोदा जा रहा है ।

उड़ीसा में महानदी बेसिन में तटवती क्षेत्र में विस्तृत भू-कम्पयीय सवेक्षण करने की योजना तैयार की जा रही है ।

Supply of oil by Indonesia

4080. SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY:

SHRI P. M. SAYEED:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Indonesia has agreed to supply oil to India;

(b) if so, to what extent and on what price the oil will be supplied;

(c) whether U.A.E. and other countries have also informed their willingness to supply oil to India; and

(d) total oil that will be supplied by these two countries and other countries during 1981?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. C. SETHI): (a) and (d). Only preliminary talks to explore the possibility of importing crude oil from Indonesia have been held between the two Governments. No commitments have been made so far.

(c) and (d). U.A.E. is supplying us crude oil in 1980. Agreement for import of crude from that country during 1981 has been recently signed. It would not be in the public interest to divulge the actual quantum of imports.

Incentives for Establishing Drug Factories in Backward Areas

4081. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether any incentives are given if drug factories are established in backward areas by graduates and diploma holders in professional subjects, ex-servicemen or persons belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b). The programme of assistance drawn up by the Government of India for setting up Industries (which include drug industry) in the selected backward areas/districts consists of concessional finance by All India-Term lending Financial Institutions, Central Investment subsidy to selected 101 backward districts/areas, income tax reliefs, Hire Purchase machinery by small scale units and transport subsidy. Under para 44 of Import Policy 1980-81, special facilities are given for import of raw materials to the industrial units (including drug units) set up in backward areas or by graduates/diploma holders in professional subjects or by ex-servicemen/persons belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes. They are also eligible for preferential treatment in the matter of allocation of canalised items.